बाबा तुम जो मिल गए | by Uma Lahari

वो नाव कैसे चले जिसका कोई खेवनहार ना हो
तेरा गुणगान कसिए करूँ जहाँ पर तेरा दीदार ना हो

बाबा तुम जो मिल गए फूलों से खिल गए
गर्दिशो के दिन मेरे जाने कब बदल गए
शुक्राना तेरा मेरे सांवरे
उजड़ा था घर वो चमन हो गया
चमका सितारा के गगन हो गया
हाले दिल बतलाऊँ और क्या तुझे
हाथ तेरा सर पे और क्या चाहिए मुझे
झूमे नाचे दिल मेरा हो गया मगन
बाबा तुम जो मिल गए ....

तेरा दर सांवरे जो मिलता नहीं
दर दर मारा मारा फिरता कहीं
तन मन वरुण भी तो काम सांवरे
खुशियां लुटाये तू गज़ब सांवरे
लागि रहे तेरी बाबा दिल में लगन
बाबा तुम जो मिल गए ....

चहरे से तेरे बाबा नूर टपके
देखे जाएँ आँखें पलकें ना झपके
जिसपे निगाहें बाबा कर देता तू
उसके तो वारे न्यारे कर देता तू
जादगारे जादगारे तेरे ये नयन
बाबा तुम जो मिल गए ....

हँसता ये जाता घर बार दे दिया
फुवारियों सा परिवार दे दिया
रोज़ सुबह शाम जय जैकार तेरी हो
लेहरी चाहे दिल से पुकार तेरी हो
भावों से भरे हैं बाबा तेरे ये भजन
बाबा तुम जो मिल गए ....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2-%e0%a4%97%e0%a4%8f-by-uma-lahari/